RUIDP
RAJASTHAN URBAN INFRASTRUCUTRE DEVELOPMENT PROJECT

आरयूआईडीपी

प्रथम चरण

राजस्थान राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए एशियन डेवलपमेन्ट बैंक से वित्तीय सहयोग प्राप्त कर 1854 करोड़ रुपये के नगरीय आधारभूत सुविधाओं के विकास के उल्लेखनीय कार्य राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना (आरयूआईडीपी) के माध्यम से राज्य के छः शहरों जयपुर, अजमेर, बीकानेर, जोधपुर, कोटा एवं उदयपुर में कराये गये। उक्त परियोजना के अन्तर्गत प्रमुखतया पेयजल, सीवर व्यवस्था, सड़क, फ्लाई ओवर तथा रेलवे क्रासिंग पर पुलों का निर्माण, सुनियोजित ड्रेनेज व्यवस्था, ठोस कचरा प्रबन्धन, स्थानीय निकायों का कम्प्यूटरीकरण व क्षमता संवर्द्धन को प्राथमिकता प्रदान करते हुए विकास कार्यों को नवीन ऊर्जा प्रदान कर तीव्र गति से कार्य योजना का निष्पादन किया है। परियोजना के प्रथम चरण (वर्ष 2000–2008) में विभिन्न क्षेत्रों के समस्त 209 पैकेजों के कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं।

आरयूआईडीपी –द्वितीय चरण

राजस्थान शहरी क्षेत्र विकास विनियोजन कार्यक्रम ¼RUSDIP½

आरयूआईडीपी के द्वितीय चरण के अन्तर्गत राज्य सरकार के 15 शहरों यथा **अलवर, बांरा, बाड़मेर, भरतपुर, बूंदी, चित्तोड़गढ़, चूरू, धौलपुर, जैसलमेर, झालावाड़, करौली, नागौर, राजसमंद, सवाई माधौपुर और सीकर** में लगभग 1762 करोड़ रूपये वर्तमान में (US$ 337M) की योजना एशियन डवलपमेंट बैंक की ऋण सहायता से स्वीकृत है। इस परियोजना हेतु 70 प्रतिशत राशि एडीबी से बैक टू बैक आधार पर ऋण सहायता के रूप में प्राप्त होगी तथा शेष 30 प्रतिशत राशि राज्य सरकार एवं स्थानीय निकायों द्वारा उपलब्ध कराई जायेगी।

सम्पादित किये जा रहे कार्य : विनियोजन कार्यक्रम में मुख्यतया जलप्रदाय योजनाओं के पुनर्वासन एवं क्षमताओं में अभिवृद्धि, नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जल–मल प्रबन्धन (सीवेज), ड्रेनेज, शहरी परिवहन एवं यातायात व्यवस्था में सुधार, सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक विरासत हेतु संरचनात्मक कार्य सम्मिलित किये गये हैं।

तथ्यात्मक विवरण

मूल रुप से परियोजना की कुल लागत लगभग राशि 1560 करोड रूपये (390 यू.एस. मिलियन डालर) थी। परियोजना की संशोधित लागत लगभग राशि 1762 करोड रुपये (365 यू.एस. मिलियन डालर) एवं वर्तमान में प्रोजेक्ट में बचत एवं रुपये के अवमूल्यन के कारण कुल ऋण सहायता 337 यू.एस. मिलियन डालर है। जिसमें लगभग 220 यू.एस. मिलियन डालर एडीबी शेयर तथा 117 यू.एस. मिलियन डालर राज्य सरकार की हिस्सेदारी हैं। यह ऋण 'बहुचरणीय ऋण सुविधा' (मल्टीट्रेंच फेसीलिटी) के अन्तर्गत 3 ट्रेन्च में प्राप्त हुआ है। प्रत्येक चरण का ऋण 25 वर्ष की पुनर्भुगतान (पांच वर्ष की छूट अवधि सहित) अवधि का होगा।

कुल स्वीकृत 109 कार्यों में से 107 कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं। परियोजना की लागत राशि रू. 1762 करोड रूपये है जिसके विरूद्ध माह नवम्बर 2018 तक 1757 करोड रूपये का सकल व्यय हो चुका है। परियोजना की अवधि फरवरी 2008 से जून 2015 तक थी जिसे मार्च 2019 तक बढाया गया। शेष रहे 2 कार्यों– भरतपुर एसटीपी एवं भरतपुर सीवरेज को जनवरी 2019 तक पूर्ण किया जाना लक्षित हैं।

परियोजना में किये जाने वाले चयनित कार्यों की महत्वपूर्ण उपलब्धियों का विवरण

शहर की स्वच्छता पर्यावरण गुणवत्ता में सुधार – सीवरेज सैक्टर –

- सभी 13 शहरो (अलवर, बाड़मेर, भरतपुर, बूंदी, चित्तोड़गढ़, चूरू, धौलपुर, जैसलमेर, झालावाड़, करौली, नागौर, राजसमंद और सवाई माधौपुर) में सीवर लाईन डालने का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। अब तक लगभग 920 किमी सीवर लाईन डाली जा चुकी है, केवल भरतपुर शहर में शेष रहा ट्रैन्चलैस सीवर लाईन का कार्य भी माह जनवरी 2019 तक पूर्ण कर लिया जावेगा।
- सीवरेज कार्यो के तहत अन्तर्गत 13 मे से 12 शहरो (अलवर, बाड़मेर, बूंदी, चित्तोड़गढ़, चूरू, धौलपुर, जैसलमेर, झालावाड़, नागौर, राजसमंद, करौली और सवाई माधौपुर) में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लान्ट पूर्ण किये जा चुके है। तथा शेष 01 शहर यथा भरतपुर का पूर्व कार्य निरस्त किया जाकर पुनः आवंटित किया गया है तथा जनवरी 2019 तक पूर्ण किया जाना लक्षित है।
- कुल 13 शहरों में अब तक कुल 93500 हाउस सीवर कनेक्शन के विरूद्व अब तक लगभग 53000 हाउस सीवर कनेक्शन किये जा चुके है। भरतपुर में हाउस सीवर कनेक्शन का कार्य एसटीपी के पूर्ण होने के पश्चात किये जावेगें। हाउस सीवर कनेक्शन के लिये कुल स्वीकृत राशि रूपये 47.33 करोड के विरूद्व लगभग राशि रूपये 22.60 करोड स्थानीय निकायो को हस्तांतरित किये जा चुके है।
- सीवरेज कार्यों के तहत लगभग 53000 हाउस सीवर कनेक्शन किये जा चुके है जिसमें सवाईमाधोपुर–6950, अलवर–5519, झालावाड़ (झालरापाटन)–4078, जैसलमेर–4600, बाड़मेर–5020, चूरू–6304, धौलपुर –12169, बूंदी –1000 नागौर–3120,

चितौडगढ–1000, राजसमन्द–2350 एवं करौली में 860 सीवर कनैक्शन किये जा चुके है।

जलप्रदाय योजनाओं के पुनर्वासन एवं क्षमताओं में अभिवृद्धि –

- सभी 15 शहरों में इस सेक्टर में 5 जलशोधन संयत्र (वाटर ट्रीटमेन्ट प्लान्ट), 32 पम्प हाउस, 1704 कि.मी. मुख्य पाइप लाइन व जल वितरण प्रणाली, 127 उच्च जलाशय, स्वच्छ जलाशय आदि का कार्य, पेयजल शुद्धिकरण हेतु 6 क्लोरीनेटर, 166 पुराने पम्प सैटों को बदलकर विद्युत व्यय में कटौती व पाइप लाइन में लीकेज बन्द कर पानी की छीजत कम करने का कार्य किया गया है।
- जलप्रदाय योजना के कार्यो के तहत सभी 15 शहरो अलवर–03 , भरतपुर–02, सीकर–02, बूंदी–01, बांरा–01, झालावाड–01, बाडमेर–01, नागौर–01, जैसलमेर–01, धौलपुर–01, राजसमंद–01 सवाईमाधोपुर–01,चित्तोडगढ–01,करौली–01 तथा चूरु–01 पैकेजो में निर्मित परिसम्पत्तियॉ कमिंशनिंग उपरान्त लाईन एजेन्सी पीएचईडी/स्थानीय निकाय को संभलवायी जा चुकी है।

वर्षा के पानी के निकास की व्यवस्था–ड्रेनज सैक्टर –

- लगभग 36 कि.मी. नालो का निर्माण जैसलमेर, सवाई माधोपुर, चूरू एवं सीकर में पूर्ण किया गया है।

शहरी परिवहन एवं यातायात व्यवस्था में सुधार – आर.ओ.बी./आ.र.यू.बी. –

- अलवर–2 तथा भरतपुर, चुरू, बारां, सवाई माधोपुर, बाड़मेर में एक–एक आरओबी तथा चितौड़गढ में एक आरयूबी का निर्माण पूर्ण कर यातायात के लिये चालू कर दिया गया है।
- सवाई माधोपुर में 2 स्थानो पर तथा चित्तौड़गढ़ में (गम्भीरी एवं बेड़च) 2 स्थानों पर नदी पर पुल का निर्माण पूर्ण किया गया है।

RUIDP RAJASTHAN URBAN INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT PROJECT

शहरी परिवहन एवं यातायात व्यवस्था में सुधार – सडक निर्माण

- लगभग 117 कि.मी सडको का निर्माण 9 शहरों यथा भरतपुर, धौलपुर, बांरा, सीकर,चूरू, नागौर, बाडमेर, राजसमंद तथा बूंदी में किया गया है।

शहरवार कार्यो का विवरण :–

(1) अलवर शहर –

- जल प्रदाय योजना के कार्यो के तहत 11 पानी की टंकियों का निर्माण, 130 कि.मी पाईपलाईन, 1 पंपिंग स्टेशन, 171 बल्क वाटर मीटर एवं 123 पम्पिंग मशीनरी बदलने का कार्य पूर्ण हो चुका है। कार्य पर राशि रूपये 23.56 करोड का व्यय किया गया है।

- वेस्ट वाटर सेक्टर में 146 किमी सीवर लाईन डालने एवं 1 सिवेज ट्रीटमेन्ट प्लांट का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कार्य पर राशि रूपये 94.86 करोड का अब तक व्यय हो चुका है।
- ब्रिज सेक्टर में 2 पुलों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। जिसमें रूपये 43.79 करोड का व्यय हो चुका है।
- एक कचरा निस्तारण स्थल का विकास एवं दो अग्निशमन केन्द्रों का कार्य पूर्ण हो चुका है।
- अग्नि शमन एवं ठोस कचरा प्रबन्धन हेतु मशीनरी व सीवर जेटिंग मशीन की सप्लाई नगर परिषद को की जा चुकी है।
- अलवर शहर में अब तक रूपये 166.69 करोड का व्यय हो चुका है।

(2) <u>जैसलमेर शहर</u> –

- जल प्रदाय योजना के कार्यो के तहत 3 टंकियो, 126 किमी पाईपलाईन एवं 3 पंपिंग स्टेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है। रूपये 89.67 करोड का अब तक व्यय किया गया है।
- वेस्ट वाटर सेक्टर में 71.40 किमी सीवर लाईन डालने का कार्य पूर्ण हो चुका है। 1 नये सिवेज ट्रीटमेन्ट प्लांट एवं एक पंपिंग स्टेशन का निर्माण का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। कार्य पर राशि रूपये 40.64 करोड का अब तक व्यय किया गया है।
- ड्रेनेज सेक्टर में 4.10 कि.मी लम्बाई के नालों का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा रूपये 4.28 करोड का व्यय हो चुका है।
- 1 कचरा निस्तारण स्थल का विकास कार्य पर्यावरण विभाग में स्वीकृति हेतु लम्बित है।
- ठोस कचरा प्रबन्धन हेतु सीवर जेटिंग मशीन एवं मशीनरी की सप्लाई नगर परिषद को की जा चुकी है।
- जैसलमेर शहर में अब तक रूपये 135.27 करोड का व्यय हो चुका है।

(3) <u>झालावाड शहर</u> –

- जल प्रदाय योजना के कार्यो में 9 पानी की टंकियाँ तथा 2 भूमिगत जलाशयों का कार्य पूर्ण हो चुका है। 84.76 किमी पाईपलाईन डाली जा चुकी है। कार्य पर राशि रूपये 24.46 करोड का व्यय किया गया है।
- वेस्ट वाटर सेक्टर में 26.83 कि.मी. सीवर लाईन का कार्य पूर्ण हो चुका है। कार्य पर अब तक राशि रूपये 15.93 करोड का अब तक व्यय किया गया है।
- हैरिटेज योजना के अन्तर्गत सिटीवॉल गेटस, चन्द्रभागा मंदिर एवं गढ पैलेस का कार्य पूर्ण हो चुका है। कार्य पर राशि रूपये 2.44 करोड का व्यय किया गया है।
- अग्नि शमन एवं ठोस कचरा प्रबन्धन हेतु सीवर जेटिंग मशीन एवं मशीनरी की सप्लाई नगर परिषद को की जा चुकी है।

- एक कचरा निस्तारण स्थल का कार्य लगभग पूर्ण हो गया है।
- झालावाड शहर में अब तक रूपये 43.51 करोड़ का व्यय हो चुका है।

(4) **सवाई माधोपुर शहर** –

- जल प्रदाय योजना के कार्यो में 9 पानी की टंकियाँ एवं 3 पम्पिग स्टेशन का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। 78.63 किमी पाईपलाईन डालने का कार्य किया जा चुका है। कार्य पर अब तक राशि रूपये 25.54 करोड का व्यय किया गया है।
- वेस्ट वाटर सेक्टर में 76 किमी सीवर लाईन डालने एवं 1 सिवेज ट्रीटमेन्ट प्लांट का कार्य पूर्ण हो चुका है । कार्य पर 37.81 करोड का व्यय किया गया है।
- रोड तथा ब्रिज सेक्टर में 1 आरओबी एवं 2 छोटे पुलो का निर्माण पूर्ण हो चुका है। कार्यों पर राशि रूपये 30.00 करोड का व्यय किया गया है।
- ड्रेनेज सेक्टर में 2.45 किमी लम्बाई के नालों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है एवं 3.18 करोड का व्यय किया गया है।
- हैरिटेज का कार्य पूर्ण किया जा चुका है एवं 0.18 करोड का व्यय हो चुका है।
- अग्निशमन एवं ठोस कचरा प्रबन्धन उपकरण एवं सीवर जेटिंग मशीन की सप्लाई नगरपरिषद को की जा चुकी है।
- सवाई माधोपुर शहर में कुल कार्यों पर अब तक राशि रूपये 96.64 करोड का व्यय किया गया है।

(5) **सीकर शहर** –

- जलप्रदाय योजना के कार्यो में 11 टंकियो का निमार्ण, 02 पम्पिंग स्टेशन एवं 146.45 कि.मी. पाईप लाईन डालने का कार्य पूर्ण हो चुका है। कार्य पर राशि रूपये 35.28 करोड का अब तक व्यय किया गया है।
- वेस्ट वाटर सेक्टर में 20.47 किमी सीवर लाईन डालने का कार्य किया गया है। 1 सीवेज ट्रीटमेन्ट प्लांट का निर्माण किया जाना था। यह पैकेज निरस्त कर दिया गया है। राशि रूपये 5.15 करोड का व्यय हो चुका है।
- ड्रेनेज सेक्टर में 2.20 कि.मी. नालों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। इस कार्य पर राशि रूपये 4.67 करोड का व्यय किया गया है।
- रोड सेक्टर में कुल 47 कि.मी. सडक निर्माण का कार्य किया जा चुका है। कार्यो पर अब तक राशि रूपये 51.56 करोड का व्यय किया गया है।
- अग्निशमन एवं ठोस कचरा प्रबन्धन उपकरण एवं सीवर जेटिंग मशीन की सप्लाई नगरपरिषद को की जा चुकी है।
- सीकर शहर में अब तक रूपये 96.71 करोड़ का व्यय किया गया है।

(6) **भरतपुर शहर** –

- जल प्रदाय योजना के कार्यो के तहत 11 पानी की टंकियों एवं 02 पम्पिंग स्टेशनो एवं 189.50 किमी पाईपलाईन डालने का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कार्यों पर राशि रूपये 39.29 करोड़ का व्यय किया गया है।
- वेस्ट वाटर सेक्टर में 71.88 किमी सीवर लाईन डालने का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं 8 एम.एल.डी. एस.टी.पी. का कार्य निरस्त किया जाकर पुनः निविदाएॅ आमंत्रित कर प्राप्त की जा चुकी है एवं स्वीकृति की प्रक्रिया में है। कार्य पर अब तक राशि रूपये 55.60 करोड का व्यय किया गया है।
- ड्रेनेज सेक्टर में 5.38 किमी नालों का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है एवं राशि रूपये 8.09 करोड का व्यय हो चुका है।
- अग्निशमन एवं ठोस कचरा प्रबन्धन उपकरण एवं सीवर जेटिंग मशीन की सप्लाई नगरपरिषद को की जा चुकी है एवं एक अग्निशमन केन्द्र का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है।
- भरतपुर शहर में अब तक रूपये 159.55 करोड का व्यय किया गया है।

(7) करौली शहर –

- जल प्रदाय योजना के कार्यो में 5 पानी की टंकियों का निर्माण एवं 93.17 किमी पाईपलाईन डालने का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। राशि रूपये 31.21 करोड का व्यय किया गया है।
- वेस्ट वाटर सैक्टर में 31.42 किमी सीवर लाइन डालने का कार्य पूर्ण हो चुका है। एक एस.टी.पी. का कार्य पूर्ण हो चुका है। कार्य पर अब तक राशि रूपये 33.82 करोड का व्यय किया जा चुका है।
- हैरिटेज कार्य पूर्ण किया जा चुका है एवं राशि रू. 1.33 करोड का व्यय हो चुका है।
- अग्निशमन एवं ठोस कचरा प्रबन्धन उपकरण एवं सीवर जेटिंग मशीन की सप्लाई नगरपरिषद को की जा चुकी है।
- करौली शहर में अब तक रूपये 66.36 करोड का व्यय हो चुका है।

(8) धौलपुर शहर –

- जल प्रदाय योजना के कार्यो में 6 पानी की टंकियों का निर्माण, 85.93 किमी पाईपलाईन डालने तथा 2 पंपिंग स्टेशन एवं 1 जल परिशोधन संयत्र का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। राशि रूपये 31.50 करोड का व्यय किया गया है।
- वेस्ट वाटर सेक्टर 133.96 किमी सीवर लाईन डालने का कार्य एवं 2 सिवेज ट्रीटमेन्ट प्लांट का कार्य पूर्ण किया जा चुका है, कार्यों पर अब तक राशि रूपये 80.71 करोड का व्यय किया गया है।
- रोड सेक्टर में कुल 18.62 कि.मी. रोड़ का निर्माण कार्य किया जा चुका है। कार्य पर राशि रूपये 33.04 करोड रूपये का व्यय किया गया है।

- हैरिटैज कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कार्य पर 0.31 करोड रूपये का व्यय हो चुका है।
- अग्निशमन एवं ठोस कचरा प्रबन्धन उपकरण एवं सीवर जेटिंग मशीन की सप्लाई नगरपरिषद को की जा चुकी है।
- धौलपुर शहर में अब तक रूपये 145.61 करोड का व्यय किया गया है।

(9) **नागौर शहर** –

- जल प्रदाय योजना के कार्यो में 11 पानी की टंकियो का निर्माण, 137.32 किमी पाईपलाईन एवं पंपिंग स्टेशन निर्माण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कार्य पर राशि रूपये 32.94 करोड का व्यय किया गया है।
- वेस्ट वाटर सेक्टर में 131.65 कि.मी. सीवर लाईन डालने का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं 1 एस.टी.पी. का कार्य पूर्ण हो चुका है। कार्य पर अब तक राशि रूपये 63.78 करोड का व्यय किया गया है।
- अग्निशमन एवं ठोस कचरा प्रबन्धन उपकरण एवं सीवर जेटिंग मशीन की सप्लाई नगरपरिषद को की जा चुकी है।
- नागौर शहर में अब तक रूपये 108.30 करोड का व्यय किया गया है।

(10) **बाडमेर शहर** –

- जल प्रदाय योजना के तहत 11 पानी की टंकियो का निर्माण, 2 पंपिंग स्टेशन का निर्माण एवं 145 कि.मी. पाईप लाईन डालने का कार्य किया गया है। कार्य पर राशि रूपये 26.83 करोड का व्यय किया गया है।
- वेस्ट वाटर सेक्टर में 43.21 कि.मी. सीवर लाईन में से 40.59 कि.मी. सीवर लाईन का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं 1 एस.टी.पी. का कार्य पूर्ण हो चुका है। कार्य पर अब तक राशि रूपये 28.23 करोड का व्यय किया गया है।
- रोड एवं ब्रिज सेक्टर में एक आरओबी एवं 7 कि.मी. सडको का निर्माण कार्य किया जा चुका है। कार्य पर 29.97 करोड का व्यय किया गया है।
- अग्निशमन एवं ठोस कचरा प्रबन्धन उपकरण एवं सीवर जेटिंग मशीन की सप्लाई नगरपरिषद को की जा चुकी है।
- बाडमेर शहर में अब तक रूपये 85.03 करोड का व्यय हो चुका है।

(11) **चूरू शहर** –

- जल प्रदाय योजना के कार्यो में 07 पानी की टंकियॉ, 03 स्वच्छ जलाशयो, 3 पंपिंग स्टेशनों एवं 236 किमी पाईपलाईन डालने का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कार्यो पर अब तक राशि रूपये 31.59 करोड का व्यय किया गया है।
- वेस्ट वाटर सेक्टर में कुल 81.10 कि.मी. सीवर लाईन डालने एवं 7 एम.एल.डी. एस. टी.पी. का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कार्य पर अब तक राशि रू. 36.76 करोड का व्यय किया गया है।

- ब्रिज सेक्टर में 1 आरओबी का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा निर्माण पर राशि रू. 33.03 करोड का व्यय हुआ है।
- रोड सेक्टर में 4.80 कि.मी. सडको का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कार्य पर अब तक राशि रू. 13.38 करोड का व्यय किया गया है।
- ड्रेनेज सेक्टर में 22.23 किमी नालों का निर्माण किया जा चुका हैं। कार्य पर अब तक राशि रू. 35.05 करोड का व्यय किया गया है।
- अग्निशमन एवं ठोस कचरा प्रबन्धन उपकरण एवं सीवर जेटिंग मशीन की सप्लाई नगरपरिषद को की जा चुकी है।
- चूरू शहर में अब तक रूपये 150.95 करोड का व्यय किया गया है।

(12) <u>बूंदी शहर</u> –

- जल प्रदाय योजना के अन्तर्गत 6 पानी की टंकियो का निर्माण तथा 44.62 किमी पाईपलाईन डालने का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कार्य पर राशि रू. 24.64 करोड का व्यय किया गया है।
- वेस्ट वाटर सैक्टर में 17.50 कि.मी. सीवर लाईन डालने एवं एक सीवरेज ट्रीटमेंट प्लान्ट का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कार्य पर अब तक राशि रू. 27.80 करोड का व्यय किया गया है।
- हैरिटेज का कार्य पूर्ण है एवं 1.83 करोड का व्यय अब तक हो चुका है।
- रोड सेक्टर में 15.85 कि.मी सडको का निर्माण किया जा चुका है। कार्य पर अब तक राशि रू. 24.94 करोड का व्यय किया गया है।
- अग्निशमन एवं ठोस कचरा प्रबन्धन उपकरण एवं सीवर जेटिंग मशीन की सप्लाई नगरपरिषद को की जा चुकी है।
- बूंदी शहर में अब तक रूपये 79.17 करोड का व्यय किया गया है।

RUIDP
RAJASTHAN URBAN INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT PROJECT

(13) <u>बारां शहर</u> –

- जलप्रदाय योजना में 6 टंकियो, 56.93 कि.मी. पाईप लाईन डालने तथा एक इंटेकवेल एवं एक जलपरिशोधन संयत्र का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कार्य पर राशि रू. 30.15 करोड का व्यय किया गया है।
- ब्रिज सेक्टर में 1 आरओबी का निर्माण कार्य किया जा चुका है तथा अब तक 33.61 करोड का व्यय हो चुका है।
- हैरिटेज का कार्य पूर्ण किया जा चुका है एवं 0.69 करोड का व्यय किया जा चुका है।
- कचरा निस्तांरण स्थल का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

- अग्निशमन एवं ठोस कचरा प्रबन्धन उपकरण की सप्लाई नगरपरिषद को की जा चुकी है।

- रोड सेक्टर के तहत 4.40 कि.मी. सडको का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है कार्य पर 7.68 करोड का व्यय हो चुका है।
- बारां शहर में कुल कार्यों पर राशि रूपये 73.23 करोड का व्यय किया गया है।

(14) <u>चित्तौडगढ़ शहर</u> –

- जलप्रदाय योजना में 11 टंकियो का, 94.00 कि.मी. पाईप लाईन, एक इंटेकवेल घोसुन्दा बांध एवं एक इन्टेक व्यवस्था बरेडा माइन्स का निर्माण कार्य तथा 2 जल परिशोधन संयत्र का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कार्य पर राशि रू. 38.76 करोड का व्यय किया गया है।
- वेस्ट वाटर सैक्टर में 35 कि.मी. सीवर लाईन एवं 1 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लान्ट का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कार्य पर अब तक राशि रू. 29.75 करोड का व्यय किया गया है।
- ब्रिज सेक्टर में 02 नदी पुलो एवं 01 आरयूबी का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कार्य पर अब तक राशि रू.16.28 करोड का व्यय किया गया है।
- अग्निशमन एवं ठोस कचरा प्रबन्धन उपकरण एवं सीवर जेटिंग मशीन की सप्लाई नगरपरिषद को की जा चुकी है। एवं एक अग्निशमन केन्द्र का निर्माण किया जा चुका है।
- चित्तौडगढ़ शहर में अब तक रूपये 85.37 करोड़ का व्यय हो चुका है।

(15) <u>राजसमंद शहर</u> –

- जल प्रदाय योजना के अन्तर्गत 7 पानी की टंकियो का कार्य एवं 58.85 कि.मी. लाईन डालने का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। राजसमंद झील पर इन्टेकवेल एवं जलपरिशोधन संयत्र का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कार्य पर राशि रू. 29.62 करोड का व्यय किया गया है।
- वेस्ट वाटर सेक्टर में 31.78 कि.मी. लाईन डालने एवं 1 सीवेज ट्रीटमेन्ट प्लांट का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कार्य पर अब तक राशि रू. 24.63 करोड का व्यय किया गया है।
- रोड सेक्टर में 8 कि.मी. सडको का कार्य किया जा चुका है। कार्य पर राशि रू. 12. 64 करोड का व्यय हो चुका है।
- कचरा निस्तारंण स्थल निर्माण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कार्य पर राशि रू. 0.98 करोड का व्यय हो चुका है।
- अग्निशमन एवं ठोस कचरा प्रबन्धन उपकरण एवं सीवर जेटिंग मशीन सप्लाई नगरपरिषद को की जा चुकी है।
- राजसमंद शहर में अब तक रूपये 67.85 करोड का व्यय हो चुका है।

आरयूआईडीपी तृतीय चरण (प्रोजेक्ट एवं प्रोग्राम लोन)

- राजस्थान शहरी क्षेत्र विकास कार्यक्रम (आरयूएसडीपी–आरयूआईडीपी तृतीय चरण) के माध्यम से राज्य के चयनित शहरों के नागरिकों को पेयजल वितरण, सीवरेज मय पूर्ण सेनिटेशन की सेवा प्रदान की जावेगी।
- आरयूएसडीपी के अन्तर्गत प्रोजेक्ट ऋण राशि यूएस डॉलर 250 मिलियन एवं प्रोग्राम ऋण राशि यूएस डालर 250 मिलियन (प्रोजेक्ट कम प्रोग्राम लोन राशि यूएस डॉलर 500 मिलियन) की मंजूरी दी गई है। प्रोजेक्ट एवं प्रोग्राम ऋण के तहत कुल राशि यूएस डालर 610 मिलियन (अनुमानित लागत राशि रुपये 3660 करोड है, जिसमें 660 करोड स्टेट शेयर सम्मिलित है)।
- दोनो ऋण अनुबन्ध भारत सरकार, राज्य सरकार एवं एडीबी के मध्य दिनांक 11 सितम्बर 2015 को हस्ताक्षर किये गये है एव 25 नवम्बर 2015 से लागू किये गये है।
- आरयूआईडीपी तृतीय चरण के अन्तर्गत जलप्रदाय, सीवरेज कार्यो मय रोड रेस्टोरेशन कार्य एक ही अनुबन्ध (एक शहर एक अनुबन्ध) के तहत किये जाने हैं। इन अनुबन्धो में दीर्घ अवधि (10 वर्ष) तक के अनुरक्षण, मरम्मत एवं परिचालन का प्रावधान किया गया है एवं परफोरमेंस आधारित भुगतान का प्रावधान सम्मिलित किया गया है।
- परियोजना में मुख्य रूप सें जलप्रदाय, सीवरेज, सम्पूर्ण स्वच्छता एवं अपशिष्ठ जल का पुर्नचक्रण तथा डिजिटल नेटवर्क के संबंधित कार्य किये जाने हैं। प्रोजेक्ट की अवधि जून 2020 तक है।
- **प्रोजेक्ट ऋण** के अन्तर्गत छः शहर क्रमशः श्री **गंगानगर, हनुमानगढ़, झुंझनू, पाली, भीलवाड़ा एवं टोंक** को शामिल किया गया है। कुल स्वीकृत 7 पैकेज (पाली में 2 एवं अन्य शहरों में 1–1 कार्य) लगभग राशि रूपये 2411 करोड़ के कार्य आवंटित किये जा चुके हैं। कार्यों पर माह नवम्बर 2018 तक लगभग 523 करोड़ रूपये का व्यय किया जा चुका है।

RUIDP RAJASTHAN URBAN INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT PROJECT

- **<u>शहरवार कार्यो का विवरण निम्न प्रकार हैः</u>–**
  - ➢ **टोंक** – राशि रूपये 388 करोड़ की लागत का कार्यादेश जारी किया गया है। कार्य को पूर्ण करने की तिथि 14.11.2018 थी। जिसे बढ़ाकर 14.05.2019 कर दिया गया है। अब तक कार्य पर 84.40 करोड़ रूपये व्यय किये जा चुके हैं। लगभग 25 प्रतिशत कार्य पूर्ण हुआ है।

    इस कार्य के तहत् जल प्रदाय सैक्टर में लगभग 442 किमी पानी की लाईन, 4 पानी की टंकियाँ एवं 28280 हाउस सर्विस कनेक्शन किया जाना प्रस्तावित है जिसके विरूद्व अब तक 159 किमी पानी की लाईन एवं 6505 हाउस सर्विस कनेक्शन का कार्य पूर्ण हुआ है तथा अन्य शेष कार्य प्रगति पर है।

इसी प्रकार सीवरेज योजना के तहत् 250 किमी सीवर लाईन, 20 एमएलडी क्षमता के 2 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, 1 पम्पिंग स्टेशन तथा 34500 हाउस सीवर कनेक्शन किया जाना प्रस्तावित है जिसके विरूद्व अभी तक 74 किमी सीवर लाईन का कार्य पूर्ण हुआ है अन्य कार्य प्रगति पर है।

- **पाली पैकेज 1** – राशि रूपये 496 करोड़ का कार्यादेश दिया गया है। कार्य को पूर्ण **करने की तिथि 31.10.2018 थी। जिसे बढ़ाकर 30.04.2019 कर दिया गया है। अब** तक कार्य पर 159.43 करोड़ रूपये व्यय किये जा चुके हैं। लगभग 53.40 प्रतिशत कार्य पूर्ण।

  इस कार्य के तहत् जल प्रदाय सैक्टर में लगभग 686 किमी पानी की लाईन, एवं 49947 हाउस सर्विस कनेक्शन किया जाना प्रस्तावित है जिसके विरूद्व अब तक 398 किमी पानी की लाईन एवं 23017 हाउस सर्विस कनेक्शन का कार्य पूर्ण हुआ है तथा अन्य शेष कार्य प्रगति पर है।

  इसी प्रकार सीवरेज योजना के तहत् 310 किमी सीवर लाईन, 15 एमएलडी क्षमता के 1 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, 1 पम्पिंग स्टेशन तथा 35000 हाउस सीवर कनेक्शन किया जाना प्रस्तावित है जिसके विरूद्व अभी तक 208 किमी सीवर लाईन का कार्य पूर्ण हुआ है अन्य कार्य प्रगति पर है।

- **पाली पैकेज 2** – राशि रूपये 84 करोड़ का कार्यादेश दिया गया है। कार्य को पूर्ण करने की तिथि 10.07.2018 थी, जिसे बढ़ाकर 31.12.2018 कर दिया गया है। अब तक कार्य पर 30.48 करोड़ रूपये व्यय किये जा चुके हैं। लगभग 44.50 प्रतिशत कार्य पूर्ण। इस कार्य के तहत् जल प्रदाय सैक्टर में लगभग 41 किमी पानी की लाईन, 1 जल शोधन यंत्र एवं 1 स्वच्छ जलाशय आदि निर्माण किया जाना प्रस्तावित है जिसके विरूद्व अब तक 36.3 किमी पानी की लाईन का कार्य पूर्ण हुआ है तथा अन्य शेष कार्य प्रगति पर है।

- **श्रीगंगानगर** – राशि रूपये 555 करोड़ का कार्यादेश जारी किया गया है। कार्य को पूर्ण करने की तिथि 15.01.2020 है। अब तक कार्य पर 91.77 करोड़ रूपये व्यय किये जा चुके हैं। लगभग 27.40 प्रतिशत कार्य पूर्ण।

  इस कार्य के तहत् जल प्रदाय सैक्टर में लगभग 452 किमी पानी की लाईन, 2 पम्पिंग स्टेशन, 1 जल शोधन यंत्र एवं 4 स्वच्छ जलाशय, 2 रॉ वाटर जलाशय एवं 50000 हाउस सर्विस कनेक्शन किया जाना प्रस्तावित है जिसके विरूद्व अब तक 94 किमी पानी की लाईन एवं 4519 हाउस सर्विस कनेक्शन का कार्य पूर्ण हुआ है तथा अन्य शेष कार्य प्रगति पर है।

  इसी प्रकार सीवरेज योजना के तहत् 410 किमी सीवर लाईन, 1 पम्पिंग स्टेशन तथा 50000 हाउस सीवर कनेक्शन किया जाना प्रस्तावित है जिसके विरूद्व अभी तक 74 किमी सीवर लाईन का कार्य पूर्ण हुआ है अन्य कार्य प्रगति पर है।

- **झुंझुनू** – राशि रूपये 237.5 करोड़ का कार्यादेश जारी किया गया है। कार्य को पूर्ण करने की तिथि 29.03.2019 है। अब तक कार्य पर 62.51 करोड़ रूपये व्यय किये जा चुके हैं। लगभग 50.30 प्रतिशत कार्य पूर्ण।

  इस कार्य के तहत् जल प्रदाय सैक्टर में लगभग 582 किमी पानी की लाईन, 1 उच्च जलाशय, 6 पम्पिंग स्टेशन, एवं 5 स्वच्छ जलाशयँ एवं 32650 हाउस सर्विस कनेक्शन किया जाना प्रस्तावित है जिसके विरूद्व अब तक 314 किमी पानी की लाईन एवं 8630 हाउस सर्विस कनेक्शन का कार्य पूर्ण हुआ है तथा अन्य शेष कार्य प्रगति पर है।

  इसी प्रकार सीवरेज योजना के तहत् 127 किमी सीवर लाईन, 7 एमएलडी क्षमता के 1 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, 2 पम्पिंग स्टेशन तथा 18225 हाउस सीवर कनेक्शन किया जाना प्रस्तावित है जिसके विरूद्व अभी तक 82 किमी सीवर लाईन का कार्य पूर्ण हुआ है अन्य कार्य प्रगति पर है।

- **भीलवाड़ा** (सीवरेज कार्य राशि 369 करोड़ रूपये) – राशि रूपये 369 करोड़ का कार्यादेश जारी किया गया है। कार्य को पूर्ण करने की तिथि 22.08.2020 है। लगभग 7.57 प्रतिशत कार्य पूर्ण। अब तक कार्य पर 22.13 करोड़ रूपये व्यय किये जा चुके हैं।

  इसी प्रकार सीवरेज योजना के तहत् 417 किमी सीवर लाईन, 30 एमएलडी क्षमता के 1 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तथा 43610 हाउस सीवर कनेक्शन किया जाना प्रस्तावित है जिसके विरूद्व अभी तक 44 किमी सीवर लाईन का कार्य पूर्ण हुआ है अन्य कार्य प्रगति पर है।

- **हनुमानगढ़** – राशि रूपये 281 करोड का कार्यादेश जारी किया जा चुका है। कार्य को पूर्ण करने की तिथि 26.04.2020 है। लगभग 5 प्रतिशत कार्य पूर्ण। अब तक कार्य पर 16.90 करोड़ रूपये व्यय किये जा चुके हैं।

  इस कार्य के तहत् जल प्रदाय सैक्टर में लगभग 522 किमी पानी की लाईन, 1 पम्पिंग स्टेशन, 1 जल शोधन यंत्र एवं 3 स्वच्छ जलाशय, 2 रॉ वाटर जलाशय एवं 40000 हाउस सर्विस कनेक्शन किया जाना प्रस्तावित है जिसके विरूद्व अब तक 3.9 किमी पानी की लाईन एवं 348 आंशिक हाउस सर्विस कनेक्शन का कार्य पूर्ण हुआ है तथा अन्य शेष कार्य प्रगति पर है।

  इसी प्रकार सीवरेज योजना के तहत् 151 किमी सीवर लाईन, 1 पम्पिंग स्टेशन, 6 एमएलडी क्षमता के 2 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तथा 30000 हाउस सीवर कनेक्शन किया जाना प्रस्तावित है, कार्य प्रगति पर है।

प्रोग्राम लोन :–

RUIDP
RAJASTHAN URBAN INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT PROJECT

- प्रोग्राम लोन के तहत लगभग राशि 1600 करोड (250 मिलियन डालऱ) के तहत 7 शहरों यथा सवाई माधोपुर, उदयपुर, बीकानेर, माउण्टआबू झालावाड़, कोटा एवं बांसवाड़ा में मलजल प्रबंधन आदि के कार्य कराये जाना प्रस्तावित है। प्रोग्राम ऋण के अन्तर्गत 07 मे से 06 शहरो में कार्य राशि रूपये 692.45 करोड के आवंटित किये जा चुके है तथा शेष 01 शहर कोटा में सीवरेज कार्य हेतु राशि रूपये 550 करोड की निविदाएं प्राप्त की जा चुकी है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। प्रोग्राम लोन के तहत माह नवम्बर 2018 तक लगभग 160 करोड़ रूपये का व्यय किया जा चुका है।

<u>शहरवार कार्यो का विवरण निम्न प्रकार है:–</u>

- सवाई माधोपुर (सीवरेज–112.62 करोड़ रूपये) – कार्यादेश जारी किया जा कर कार्य आरंभ किया जा चुका है। कार्य को पूर्ण करने की तिथि 01.12.2019 है। कार्य पर 12.71 करोड का व्यय किया जा चुका है। लगभग 15 प्रतिशत कार्य पूर्ण।

  इसी प्रकार सीवरेज योजना के तहत् 121 किमी सीवर लाईन, 10 एमएलडी क्षमता के 1 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का अपग्रेडेशन तथा 13200 हाउस सीवर कनेक्शन किया जाना प्रस्तावित है जिसके विरूद्व अभी तक 35 किमी सीवर लाईन का कार्य पूर्ण हुआ है शेष कार्य प्रगति पर है।

- उदयपुर (सीवरेज–126.23 करोड़ रूपये) – कार्यादेश जारी किया जा कर कार्य आरंभ किया जा चुका है। कार्य को पूर्ण करने की तिथि 26.01.2020 है। कार्य पर 16.28 करोड का व्यय किया जा चुका है। लगभग 9 प्रतिशत कार्य पूर्ण।

  इसी प्रकार सीवरेज योजना के तहत् 56.85 किमी सीवर लाईन, 1.8 किमी नाला तथा 3632 हाउस सीवर कनेक्शन किया जाना प्रस्तावित है जिसके विरूद्व अभी तक 5.30 किमी सीवर लाईन एवं नाला निर्माण का कार्य पूर्ण हुआ है शेष कार्य प्रगति पर है।

- झालावाड़ (सीवरेज–143.72 करोड़ रूपये) – कार्यादेश जारी किया जा कर कार्य आरंभ किया जा चुका है। कार्य को पूर्ण करने की तिथि 25.02.2020 है। कार्य पर 27.56 करोड का व्यय किया जा चुका है। लगभग 15.71 प्रतिशत कार्य पूर्ण।

  इसी प्रकार सीवरेज योजना के तहत् 144 किमी सीवर लाईन, 9 एमएलडी क्षमता के 2 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का अपग्रेडेशन तथा 17000 हाउस सीवर कनेक्शन किया जाना प्रस्तावित है जिसके विरूद्व अभी तक 22.80 किमी सीवर लाईन का कार्य पूर्ण हुआ है शेष कार्य प्रगति पर है।

- बीकानेर (सीवरेज–227.23 करोड़ रूपये) – कार्यादेश जारी किया जा कर कार्य आरंभ किया जा चुका है। कार्य को पूर्ण करने की तिथि 11.01.2020 है। कार्य पर 18.03 करोड का व्यय किया जा चुका है। लगभग 15 प्रतिशत कार्य पूर्ण।

  इसी प्रकार सीवरेज योजना के तहत् 300 किमी सीवर लाईन, 20 एमएलडी क्षमता के 1 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तथा 32010 हाउस सीवर कनेक्शन किया जाना प्रस्तावित है

जिसके विरूद्व अभी तक 45 किमी सीवर लाईन का कार्य पूर्ण हुआ है शेष कार्य प्रगति पर है।

- बांसवाड़ा (ड्रेनेज–15 करोड़ रूपये) – 11 नालो का नवीनीकरण कार्य हेतु कार्यादेश जारी किया जा कर कार्य आरंभ किया जा चुका है। कार्य को पूर्ण करने की तिथि 18.09.2018 है। कार्य पर 09.23 करोड का व्यय किया जा चुका है। लगभग 85 प्रतिशत कार्य पूर्ण।

  इस कार्य के तहत् कुल 11 नालो में लगभग 12.60 किमी नाला निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। जिसके तहत् अभी तक 9.16 किमी नालो को निर्माण पूर्ण किया जा चुका है।

- माउंट आबू (सीवरेज–68.20 करोड़ रूपये) – कार्यादेश जारी किया जा कर कार्य आरंभ किया जा चुका है। कार्य को पूर्ण करने की तिथि 19.02.2020 है। कार्य पर 5.85 करोड का व्यय किया जा चुका है। लगभग 13 प्रतिशत कार्य पूर्ण।

  इसी प्रकार सीवरेज योजना के तहत् 55 किमी सीवर लाईन, 7 एमएलडी क्षमता के 5 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तथा 5000 हाउस सीवर कनेक्शन किया जाना प्रस्तावित है जिसके विरूद्व अभी तक 8.51 किमी सीवर लाईन का कार्य पूर्ण हुआ है शेष कार्य प्रगति पर है।

- कोटा (सीवरेज–550 करोड़ रूपये) – सीवरेज कार्य हेतु राशि रूपये 550 करोड की निविदाएं प्राप्त की जा चुकी है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

आरयूआईडीपी चतुर्थ चरण

- आरयूआईडीपी के चतुर्थ चरण के अन्तर्गत लगभग 4500 करोड़ की कार्य योजना स्वीकृत की गयी है। राज्य सरकार द्वारा राजस्थान शहरी आधारभूत विकास परियोजना के चतुर्थ चरण में राजस्थान के 42 शहरो में पेयजल वितरण, सीवरेज, ड्रेनेज, हैरिटेज संरक्षण आदि आधारभूत सुविधाओ के विकास कार्य सम्मिलित किये जायेगे। 50 हजार से 1 लाख आबादी एवं अन्य श्रेणी के 32 शहर – आबूरोड, बाडी, बालोतरा, बाडमेंर, बांसवाडा, चौमू, दौसा, शाहपुरा (जयपुर), डीडवाना, फतेहपुर, जैसलमेर, जालौर, झालावाड, करौली, कुचामन, लाडनू, लक्ष्मनगढ, मकराना, निम्बाहेडा, नोखा, प्रतापगढ, राजगढ(चूरु), राजसमंद, रतनगढ, सरदारशहर, शाहपुरा (भीलवाड़ा), श्रीडूँगरगढ, सूरतगढ, सिरोही, तिजारा, नीम का थाना एवं भवानी मण्डी । हैरिटेज महत्व के 10 शहर– बांदीकुई, डीग, डूँगरपुंर, जोबनेर, खेतडी, कामा, मण्डावा, नवलगढ, पीलीबंगा एवं सांभर–फुलेरा।

- परियोजना प्रस्ताव स्वीकृति हेतु एशियन विकास बैंक के पास विचाराधीन है। परियोजना के अन्तर्गत कार्य वर्ष 2018–19 में प्रारंभ किये जाकर वर्ष 2022–23 तक समाप्त किया जाना प्रस्तावित है।

➢ परियोजना शहरों की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, सिटी लेवल कमेटी द्वारा स्वीकृति एवं एडीबी से अनुमोदन की प्रक्रिया जारी है। एडीबी से स्वीकृति पश्चात कार्यो की निविदाएँ आमंत्रित किये जाने की प्रक्रिया जारी है।

7. राष्ट्रीय झील संरक्षण योजना (एन.एल.सी.पी.)

देश की झीलों की महत्ता को बनाये रखने के लिये राष्ट्रीय झील संरक्षण कार्यक्रम (एन.एल.सी.पी) वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के अधीन एक केन्द्रीय प्रायोजित स्कीम है। जिसकी राशि का अनुपात वर्तमान में 60 : 40 (60 प्रतिशत भारत सरकार द्वारा अनुदान एवं 40 प्रतिशत राज्य सरकार का हिस्सा) है। इस योजना का उददेश्य देश में स्थित झीलों का पुनरुद्वार एवं संरक्षण है जो कि मल–जल झीलों में छोडे जाने के कारण खराब हो गई है।

केन्द्र सरकार द्वारा राज्य में पर्यटन एवं धार्मिक महत्व को दृष्टिगत रखते हुये पॉच झीलो क्रमशः आनासागर झील (अजमेर), पुष्कर सरोवर (पुष्कर), फतेहसागर झील एवं पिछोला झील (उदयपुर), नक्की झील (माउंट आबू) के पुनरुद्वार एव संरक्षण हेतु परियोजना स्वीकृत की गई है। जिनमें प्रत्येक झील के लिये डि स्लिटिंग, झील विकास कार्य, सीवरेज, पानी की गुणवत्ता, सूचना, शिक्षा एवं सम्प्रेषण गतिविधी एवं वनीकरण इत्यादि के कार्य सम्मिलित है। उक्त झीलो के लिये 200.58 करोड रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। उक्त स्वीकृत योजनाओ पर दिसम्बर 2018 तक केन्द्र सरकार से 117.67 करोड रूपये एव राज्य सरकार से 57.21 करोड रूपये (कुल 174.88करोड रूपये) प्राप्त हुये है जिसमें से 185.61 करोड रूपये व्यय किये गये है।

<u>अनुमोदित झीलो की राशि एवं कार्यकारी संस्था का विवरण</u>

झील का नाम	**स्वीकृत राशि (करोड रूपये में)**	**स्वीकृति दिनांक**	**कार्यकारी संस्था**
आनासागर झील, अजमेर	18.27	23.11.2007	यूआईटी, अजमेर
पुष्कर सरोवर, पुष्कर	48.37	26.02.2008	यूआईटी, अजमेर
पिछोला झील, उदयपुर	84.75	04.02.2009	यूआईटी, उदयपुर नगर परिषद, उदयपुर
फतेहसागर, उदयपुर	41.86	14.08.2008	यूआईटी, उदयपुर
नक्की झील, माउंट आबू	7.33	24.06.2010	यूआईटी, माउंटआबू

8. 1. आनासागर झील, (अजमेर), पुष्कर झील, (अजमेर), फतहसागर झील व पिछोला झील (उदयपुर) के कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं।

9. 2. <u>नक्की झील, माउण्ट आबू</u>

10. इस झील की स्वीकृति अगस्त 2010 में हुई है एवं 2.78 करोड रूपये केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार से रू. 1.19 करोड प्राप्त हुए है। नक्की झील के कार्य लगभग पूर्ण हो

चुके है इसमें से 4.82 करोड रूपये के सीवरेज कार्य अन्तिम प्रगति पर है। इस परियोजना में दिसम्बर 2018 तक 4.01 करोड रूपये का व्यय हो चुका है। कार्य जनवरी 2019 तक पूर्ण किया जाना संभावित है।

RUIDP
RAJASTHAN URBAN INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT PROJECT